

पठारी स्वास्थ्य केंद्र की बद्दहाल व्यवस्था

खास बातें

- ▶ महिला डॉक्टर के अभाव में परेशान महिलाएं
- ▶ नर्सों के भरोसे प्रसव, शिशु रोग विशेषज्ञ भी नहीं
- ▶ बुनियादी सुविधाओं की कमी से बढ़ रही मरीजों की मुश्किलें



एक दशक से महिला डॉक्टर की मांग

पठारी क्षेत्र की महिलाओं को लंबे समय से महिला चिकित्सक की नियुक्ति का इंतजार है. स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में महिला डॉक्टर, शिशु रोग विशेषज्ञ और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करना जरूरी है. सवाल यह है कि जब प्राथमिक

नर्सों के भरोसे प्रसव, विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी

स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव की व्यवस्था मुख्य रूप से स्टाफ नर्सों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के भरोसे चल रही है. महिला चिकित्सक की अनुपस्थिति में गर्भवती महिलाओं को आवश्यक

गंभीर मामलों में रेफरल का सहारा

प्रसव के दौरान जटिल स्थिति बनने पर महिलाओं को जिला अस्पताल या भोपाल-सागर के अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है. इससे समय पर उपचार मिलने में देरी और

अस्पतालों का रुख कर लेते हैं, लेकिन गरीब किसान, मजदूर, आदिवासी और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए यह आसान नहीं है. ऐसे में उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर ही निर्भर रहना पड़ता है. इसके बावजूद यहां बुनियादी

चिकित्सा परामर्श और उपचार मिलने में कठिनाई होती है. वहीं, शिशु रोग विशेषज्ञ नहीं होने से नवजात बच्चों को विशेषज्ञ उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में ले जाना पड़ सकता है.

सुविधाओं का अभाव मरीजों की परेशानी बढ़ा रहा है. शिकायत दर्ज करने के लिए लेटर बॉक्स नहीं है और न ही ड्यूटी चार्ट लगाया गया है. आपातकालीन स्थिति के लिए रखा जनरेटर भी खराब बताया जा रहा है.

नपाध्यक्ष ने दशहरा मैदान, विसर्जन घाट का किया निरीक्षण

▶ व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश



नवभारत न्यूज सिरोंज 18 अक्टूबर, दशहरा पर्व पर रावण दहन स्थल दशहरा मदान और मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर नगर पालिका ने तैयारियां तेज कर दी हैं. शनिवार को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा और सीएमओ रामप्रकाश साहू ने दशहरा मैदान एवं मूर्ति विसर्जन घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया.

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी जरूरी इंतजाम समय पर पूरे करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मूर्ति विसर्जन घाट पर बिजली आपूर्ति, घाट पर व्यवस्था, साफ-सफाई और रंग-रोगन

सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। नपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घाट पर आवश्यक इंतजाम किए जाएं। साथ ही साफ-सफाई और अन्य कार्य समय सीमा में पूरे किए जाएं, ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो इसके बाद उन्होंने दशहरा मैदान पर रावण दहन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया गया। यहां पार्किंग व्यवस्था, मेले में आने वाले

लोगों के आवागमन, रावण दहन स्थल और आयोजन से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि भीड़ को देखते हुए आवागमन के रास्ते व्यवस्थित रखे जाएं और आयोजन स्थल पर जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, सुरक्षा और व्यवस्थाओं से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी तय कर उन्हें समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए.

वाई दो में मिली प्राचीन प्रतिमा, पूर्व पार्श्व में वाईवासियों के साथ कराया शुद्धिकरण



गुलाबगंज में निकली 251 मीटर लंबी चुनरी यात्रा, मां शारदा को चढ़ाई चुनरी

▶ जयकारों से गुंजे नगर के प्रमुख मार्ग

▶ बड़ी संख्या में शामिल हुए माता के भक्त

नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया. जगह-जगह श्रद्धा और उत्साह का माहौल नजर आया.

चुनरी यात्रा से जुड़ी है नगर की धार्मिक पहचान

गुलाबगंज में हर वर्ष समस्त माता भक्तों के सहयोग से चुनरी यात्रा निकाली जाती है. इस परंपरा ने नगर की धार्मिक पहचान को विशेष स्थान दिलाया है. मान्यता है कि इसी चुनरी यात्रा की परंपरा से प्रेरित होकर धार्मिक नगरी गुलाबगंज में नौ देवियों के मंदिर का निर्माण हुआ. हर वर्ष भक्त एकजुट होकर मां की देवियों के मंदिर का निर्माण करते हैं. श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ मां शारदा को 251 मीटर लंबी चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद लिया. चुनरी यात्रा में उमड़ भक्तों का सैलाब नगर की धार्मिक आस्था और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बना.

नवभारत न्यूज गुलाबगंज में माता रानी के प्रति श्रद्धा और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला. यहां भक्तों द्वारा 251 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई. यात्रा सिद्ध हनुमान मंदिर, रेलवे परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शारदा मंदिर धाम पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ मां शारदा को चुनरी अर्पित की गई. चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में माता के भक्त शामिल हुए. पूरे मार्ग में श्रद्धालु माता रानी के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे, जिससे

बाल्मीक चौक में आज होगी विशाल महाआरती, धर्मप्रेमियों को आमंत्रण

नवभारत न्यूज सांची। नगर के वाई नंबर 4 स्थित बाल्मीक चौक में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की भव्य झांकी सजाई गई है. श्री दुर्गा उत्सव समिति के पंडाल में सुबह-शाम श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं. भजन-कीर्तन के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है. समिति द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को रात 8 बजे पंडाल परिसर में विशाल महाआरती का आयोजन किया जाएगा. समिति ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार शामिल होकर मां दुर्गा की महाआरती में सहभागी बनने की अपील की है. महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा. नवरात्रि को लेकर बाल्मीक चौक में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिल रहा है. समिति ने सभी भक्तों से आयोजन में शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है.

मरने के बाद राख होने से अच्छा है

देहदान

नेत्रदान

अंगदान

करके किसी के काम आ जाएं.

संपर्क-विकास पथरी फाउंडेशन, रोपुवा, विदिशा

बुद्धिपथ 9425614950

▶ खाद संकट, सोयाबीन मुआवजा-बीमा और नलजल योजना की कथित गड़बड़ी को लेकर धरना-प्रदर्शन



समस्याएं नहीं सुलझीं तो आंदोलन होगा तेज

किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष विनीत दांगी ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है. बिजली कटौती, खाद की समस्या और फसल मुआवजा-बीमा राशि का भुगतान नहीं होने से किसान परेशान हैं. उन्होंने संबंधित विभागों से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी. विधानसभा अध्यक्ष महेंद्र सिंह किरार ने कहा कि खेती के महत्वपूर्ण समस्या में बिजली नहीं मिलने से किसानों के पलेवा और सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं. खाद की उपलब्धता, फसल मुआवजा-बीमा और दहलवाड़ा की नलजल

योजना से जुड़ी समस्याओं का भी जल्द समाधान होना चाहिए. उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि बिजली आपूर्ति नियमित नहीं की गई और ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ, तो किसान कांग्रेस ग्रामीणों के साथ चक्काजाम करेगी. धरना-प्रदर्शन में नीलम रघुवंशी, बबलू रघुवंशी, अरुण शर्मा, जुआर सिंह रघुवंशी, संतोष गुर्जर, वीरू मोणा, लीलाधर कुशवाह, आकाश मोणा, अशोक, रामसिंह, नौबत लोधी, सुरेंद्र लोधी, शैलान सिंह और रामकृष्ण सहित किसान कांग्रेस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे.

सांची में वाहन चेकिंग ठप, सड़कों पर बेलगाम दौड़ रहे वाहन

नवभारत न्यूज सांची। नगर में वाहन चेकिंग अभियान प्रभावी नजर नहीं आने से यातायात व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं. स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नियमित चेकिंग नहीं होने से वाहन चालक यातायात नियमों की अनदेखी कर रहे हैं. मुख्य मार्गों से लेकर अंदरूनी सड़कों तक तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रही है. नगर में नाबालिगों के दुर्घटिया वाहन चलाने, बिना हेलमेट वाहन दौड़ाने और नंबर प्लेट के बिना सड़कों पर निकलने की शिकायतें



सघन वाहन चेकिंग होने से बिना दस्तावेजों वाले वाहनों और नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की पहचान कर कार्रवाई की जा सकती है. उनका कहना है कि पुलिस की नियमित निगरानी से वाहन चालकों में जिम्मेदारी का भाव बढ़ेगा और सड़क सुरक्षा बेहतर होगी. नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक से सांची में दोबारा नियमित एवं सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू कराने की मांग की है, ताकि तेज रफ्तार, नाबालिगों के वाहन चलाने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाया जा सके.

मुक्तिधाम में बाइक चोरी की कोशिश, सीसीटीवी कैमरा तोड़कर भागे दो संदिग्ध

नवभारत न्यूज विदिशा। शहर के मुक्तिधाम परिसर में बाइक चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है. सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध कैद हुए हैं, जो अतिम संस्कार में शामिल होने आए लोगों की मोटरसाइकिलों में चाबियां लगाकर उन्हें चोरी करने का प्रयास कर रहे थे. संदिग्धों ने कैमरा भी तोड़ दिया. मुक्तिधाम सेवा समिति के

सचिव मनोज पांडे ने मामले की लिखित शिकायत शहर कोतवाली में दी है.

पांडे के अनुसार, शनि मंदिर की ओर से मुक्तिधाम आने वाले मुख्य प्रवेश द्वार पर लगे कैमरे में दोनों संदिग्धों की गतिविधियां रिकॉर्ड हुईं. कार्यालय में लगे मौनितर पर गतिविधियां देखकर कर्मचारी बाहर पहुंचे तो दोनों चरणतीर्थ मार्ग की ओर भागे और छोटे पुल के पास खड़ी अपनी बाइक से फरार हो गए.



समिति सचिव ने बताया कि परिसर से तांबे के दो नाग और आठ फीट से अधिक ऊंचा स्टील का त्रिशूल चोरी हो चुका है. एक बाइक से पेट्रोल निकालने और दूसरी बाइक चोरी होने की घटनाएं भी सामने आई हैं. उन्होंने

परिसर में संदिग्ध गतिविधियों और नशा करने वालों की मौजूदगी का हवाला देते हुए पुलिस से नियमित निगरानी बढ़ाने की मांग की है. पुलिस को आवेदन सौंपकर कार्रवाई का अनुरोध किया गया है.

आयोजन श्रमदान अभियान 6.0 का दूसरा चरण संपन्न, नदी की सफाई के साथ नागरिक जिम्मेदारी पर उठाए सवाल

बेतवा में आस्था के अवशेष, रिपटा घाट पर निकलीं पीओपी की मूर्तियां

नवभारत न्यूज गंजबासौदा। बेतवा नदी को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के संकल्प के साथ चल रहे साप्ताहिक श्रमदान अभियान 6.0 के तहत रविवार को रिपटा घाट पर नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम का दूसरा चरण संपन्न हुआ. श्रमदान के दौरान नदी और घाट क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कचरे के साथ प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियां भी निकाली गईं. नदी में मिली मूर्तियों ने एक बार फिर धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की जरूरत को उजागर किया. नदी में कचरा डालने की मानसिकता पर सवाल



संदेश देती है. धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण अनुकूल विसर्जन की परंपरा विकसित करना समय की आवश्यकता है. सफाई के साथ सोच बदलने की जरूरत

श्रमदान दल ने कहा कि नदी में पड़ा कचरा दिखाई देता है, लेकिन इसके पीछे की

लापरवाही अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है. जब तक नागरिक नदी को सार्वजनिक कूड़ेदान के बजाय प्राकृतिक विरासत नहीं मानेंगे, तब तक सफाई अभियान के स्थायी परिणाम हासिल करना मुश्किल होगा. रिपटा घाट पर श्रमदान के दौरान यह सवाल भी उठाया गया कि आखिर नदी को गंदा करने के बाद उसकी सफाई की

आस्था भी बचे, बेतवा भी स्वच्छ रहे

श्रमदान दल ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य किसी धार्मिक परंपरा या आस्था का विरोध करना नहीं, बल्कि पूजा-पाठ और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है. प्रशासन सफाई की व्यवस्था कर सकता है, लेकिन नदी में कचरा नहीं डालने की आदत समाज को स्वयं विकसित करनी होगी. रिपटा घाट पर संपन्न श्रमदान ने यही संदेश दिया कि बेतवा को स्वच्छ रखने के लिए केवल हाथों से सफाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों की सोच और व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है.

राजपूत एवं नक्श राजपूत ने श्रमदान किया. बच्चों की सहभागिता ने नदी संरक्षण के प्रति नई पीढ़ी की जिम्मेदारी का संदेश दिया.

नवभारत न्यूज गंजबासौदा। चार खंबा वाली गली, वाई नंबर 6 स्थित शिक्षण संस्थान कौटिल्य गुरुकुलम में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और उत्कृष्ट के साथ किया गया. प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भारत की सांस्कृतिक विविधता के मनमोहक रंग बिखेरे.

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था. प्रतियोगिता की थीम 'विविधता में एकता' रही, जिसके माध्यम से बच्चों ने देश की सांस्कृतिक एकजुटता का संदेश दिया. प्रतियोगिता में बच्चे करमौर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, केरल और बंगाल सहित विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में नजर

डायरेक्टर केएस यादव ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर केएस यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. विद्यालय की काउंसलर संघमित्रा यादव ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की. उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है. अभिभावक बच्चों की शिक्षा या अन्य समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय प्रबंधन से सीधे संपर्क कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत और पहचान है. इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों को कितानों से आगे बढ़कर देश की संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है. साथ ही उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता और राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होती है. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को अल्हादा वितरित किया गया. प्रतियोगिता ने बच्चों में उत्साह और उमंग का संचार किया तथा विद्यालय परिसर में खुशनुमा माहौल बना रहा.

आए. बच्चों ने आकर्षक परिधानों के साथ संबंधित राज्यों की संस्कृति, बोलियों, लोकनृत्यों और प्रसिद्ध संवादों की प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया. उनकी प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर में लघु भारत की झलक देखने को मिली.

कार्यक्रम का मुख्य

आकर्षण 'एक भारत, एकजुट भारत' का संदेश रहा. बच्चों ने अपनी वेशभूषा और प्रस्तुतियों के माध्यम से अंतराष्ट्रीय भाषा, पहचान और खानपान में विविधता होने के बावजूद सभी भारतीय एक सूत्र में बंधे हैं. इस अवसर पर देश की अखंडता और एकता बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया गया.